समास

व्याकरणिक दृष्टि से दो-या-दो से अधिक पदों के मेल से जो नया शब्द बनता है, उसे समस्त-पद कहते हैं तथा शब्दों के मेल से नए शब्द बनाने की प्रक्रिया को समास कहते हैं; *जैसे*—गंगाजल, रामावतार, पत्रोत्तर आदि।

वास्तव में, कम-से-कम शब्दों में अधिक अर्थ प्रकट करना ही समास का मुख्य प्रयोजन है; *जैसे*—

परीक्षा का अर्थी	= परीक्षार्थी
लोक में प्रिय	= लोकप्रिय
शुभ है जो आगमन	= शुभागमन

समास में दो पद होते हैं—पूर्व पद और उत्तर पद। कभी पूर्व पद, कभी उत्तर पद और कभी दोनों पद प्रधान होते हैं। कभी-कभी दोनों ही पद अप्रधान हो जाते हैं और उनका एक विशिष्ट अर्थ महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

समास विग्रह

समस्तपदों को अलग करने की विधि को समास विग्रह कहते हैं; *जैसे*—

पत्रोत्तर	=	पत्र का उत्तर
गंगाजल	=	गंगा का जल

समास के भेद

समास के मुख्यत: छ: भेद हैं

1. तत्पुरुष समास
2. कर्मधारय समास
3. द्विगु समास
4. बहुव्रीहि समास
5. द्वंद्व समास
6. अव्ययीभाव समास

1. तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास में **उत्तर पद प्रधान** होता है तथा **पूर्व पद गौण** होता है। इस समास में समस्तपदों का लिंग और वचन अंतिम पद के अनुसार ही होता है। तत्पुरुष समास में बहुधा दोनों पद संज्ञा या पहला पद संज्ञा और दूसरा विशेषण होता है। इस समास में समस्तपद करते समय कारक-विभक्ति या एकाधिक शब्दों का लोप होता है, इसलिए लुप्त (गायब हुई) विभक्ति के कारक के अनुसार इस समास के निम्नलिखित भेद किए जाते हैं

(i) **कर्म तत्पुरुष**

कर्म तत्पुरुष के अंतर्गत समस्तपद में कर्म कारक की विभक्ति **को** का लोप होता है; *जैसे*—

समस्तपद	**विग्रह**
आतिथ्यर्पण	अतिथि को अर्पण
गृहागत	गृह को आया हुआ
यशप्राप्त	यश को प्राप्त
मरणासन्न	मरण को पहुँचा हुआ

(ii) **करण तत्पुरुष**

करण तत्पुरुष के अंतर्गत समस्तपद में करण कारक की विभक्ति **से**, **के द्वारा** का लोप होता है एवं पूर्वपद का उत्तरपद से संबंध स्थापित किया जाता है; *जैसे*—

समस्तपद	**विग्रह**
गुणयुक्त	गुणों से युक्त
जन्मांध	जन्म से अंधा
भुखमरा	भूख से मरा हुआ
रोगपीड़ित	रोग से पीड़ित

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) **संप्रदान तत्पुरुष**

संप्रदान तत्पुरुष के अंतर्गत समस्तपद में संप्रदान कारक की विभक्ति **के लिए** का लोप होता है;

जैसे—

समस्तपद	विग्रह
रसोईघर	रसोई के लिए घर
युद्धक्षेत्र	युद्ध के लिए क्षेत्र
देवबलि	देव के लिए बलि
हथकड़ी	हाथ के लिए कड़ी

(iv) **अपादान तत्पुरुष**

अपादान तत्पुरुष के अंतर्गत समस्तपद में अपादान कारक की विभक्ति **से** का लोप होता है एवं पूर्वपद का उत्तरपद से संबंध स्थापित नहीं किया जाता है;

जैसे—

समस्त पद	विग्रह
ऋणमुक्त	ऋण से मुक्त
रोगमुक्त	रोग से मुक्त
धर्मभ्रष्ट	धर्म से भ्रष्ट
श्रापमुक्त	श्राप से मुक्त

(v) **संबंध तत्पुरुष**

संबंध तत्पुरुष के अंतर्गत समस्तपद में संबंध कारक की विभक्ति **का, के, की** का लोप होता है;

जैसे—

समस्तपद	विग्रह
भारतरत्न	भारत का रत्न
अछूतोद्धार	अछूतों का उद्धार
गंगातट	गंगा का तट
जलधारा	जल की धारा

(vi) **अधिकरण तत्पुरुष**

अधिकरण तत्पुरुष के अंतर्गत समस्तपद में अधिकरण कारक की विभक्ति **में**, **पर** का लोप होता है;

जैसे—

समस्तपद	विग्रह
कलाप्रवीण	कला में प्रवीण
गृहप्रवेश	गृह में प्रवेश
कुलश्रेष्ठ	कुल में श्रेष्ठ
आनंदमग्न	आनंद में मग्न

(vii) **नञ् तत्पुरुष**

जिस समस्तपद में पहला पद **नकारात्मक** होता है, उसे नञ् तत्पुरुष कहते हैं;

जैसे—

समस्तपद	विग्रह
अनिच्छा	न इच्छा
अयोग्य	न योग्य
अनदेखी	न देखी
अनंत	न अंत

2. कर्मधारय समास

कर्मधारय समास में पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य होता है। पूर्व पद तथा उत्तर पद में उपमेय-उपमान संबंध भी हो सकता है;

जैसे—

(i) **विशेषण-विशेष्य कर्मधारय**

समस्तपद	विग्रह
नीलकंठ	नीला है जो कंठ
नीलगाय	नीली है जो गाय
नीलकमल	नीला है जो कमल
नीलांबर	नीला है जो अंबर

(ii) **उपमेय-उपमान कर्मधारय**

समस्तपद	विग्रह
देहलता	देह रूपी लता
नरसिंह	सिंह रूपी नर
घनश्याम	घन के समान श्याम
वचनामृत	वचन रूपी अमृत

3. द्विगु समास

जिस सामासिक शब्द (समस्तपद) का पहला पद संख्यावाची विशेषण हो, उसे द्विगु समास कहते हैं;

जैसे—

समस्तपद	विग्रह
शताब्दी	शत (सौ) वर्षों का समूह
चौराहा	चार राहों का समूह
त्रिफला	तीन फलों का समूह
तिरंगा	तीन रंगों का समाहार

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. बहुव्रीहि समास

जिस समस्तपद में कोई भी पद प्रधान नहीं होता, दोनों पद मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं, उसमें बहुव्रीहि समास होता है;

जैसे—

समस्तपद	विग्रह	
चतुर्मुख	चार हैं मुख जिसके	*(ब्रह्मा)*
चतुरानन	चार आनन हैं जिसके	*(ब्रह्मा)*
त्रिलोचन	तीन आँखें हैं जिसकी	*(शिव)*
कुसुमायुध	कुसुम है आयुध जिसका	*(कामदेव)*

5. द्वंद्व समास

जिस समास में दोनों पद प्रधान हों और जिसमें पदों को मिलाने वाले समुच्चयबोधक शब्दों (और, तथा, या, अथवा, एवं) का लोप हो गया हो, उसे द्वंद्व समास कहते हैं;

जैसे—

समस्तपद	विग्रह
गंगा-यमुना	गंगा और यमुना
भूख-प्यास	भूख और प्यास
हानि-लाभ	हानि और लाभ
स्वर्ग-नरक	स्वर्ग और नरक

6. अव्ययीभाव समास

जिस समास में पूर्व पद प्रधान हो और वह अव्यय हो तथा उसके योग से समस्तपद भी अव्यय बन जाए, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं; जैसे—

समस्तपद	विग्रह
यथाविधि	विधि के अनुसार
बेकाम	बिना काम के
यथासंभव	जितना संभव हो सके
दिनोंदिन	दिन ही दिन में

समास संबंधी आवश्यक तथ्य

समास संबंधी आवश्यक तथ्य निम्नलिखित हैं

- जो भाषा संश्लेषणात्मक होती है, उसमें समास की प्रवृत्ति अधिक होती है; *जैसे*–संस्कृत भाषा।
  हिंदी विश्लेषणात्मक भाषा है, लेकिन इसमें संस्कृत के सामासिक शब्दों के प्रयोग के कारण समास का महत्त्व है; *जैसे*–यथाशक्ति = शक्ति के अनुसार।
- कभी-कभी समास से संबंधित शब्दों को योजक चिह्न, हाइफन (-) से भी मिलाया जाता है;
  जैसे–मामा-मामी, मार्ग-दर्शक, रात-दिन, नाना-नानी।
- सामान्यतया सामासिक पद दो होते हैं; किंतु कभी-कभी तीन पद भी होते हैं; *जैसे*–तन-मन-धन, सुबह-दोपहर-शाम।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. 'नीलकमल' शब्द में कौन-सा समास है?
(क) अव्ययीभाव समास (ख) तत्पुरुष समास
(ग) द्विगु समास (घ) कर्मधारय समास

2. 'तीन आँखें हैं जिसकी अर्थात् शिव' का समस्त पद है
(क) तीनलोचन (ख) लोचन
(ग) त्रिलोचन (घ) त्रयलोचन

3. 'शरणागत' शब्द के सही समास विग्रह का चयन कीजिए। *(CBSE 2020, Modified)*
(क) शरण में आया हुआ–तत्पुरुष समास
(ख) शरण में लिया हुआ–तत्पुरुष समास
(ग) आया है जो शरण में–तत्पुरुष समास
(घ) गया है जो शरण में–तत्पुरुष समास

4. 'हाथ से लिखित' का समस्तपद क्या होगा?
(क) हाथलिखित (ख) हाथलिखा
(ग) हस्तलिखित (घ) हस्तालिखित

5. 'देवमूर्ति' शब्द में समास है
(क) कर्मधारय समास (ख) तत्पुरुष समास
(ग) द्वंद्व समास (घ) अव्ययीभाव समास

6. 'प्रधान है जो अध्यापक' का समस्त पद है
(क) प्रधानाध्यापक (ख) प्रधानध्यापक
(ग) प्रधानाध्यपक (घ) प्रधानाधयापक

7. तत्पुरुष समास में प्रधान पद किसे माना जाता है?
(क) पूर्वपद को (ख) उत्तरपद को
(ग) दोनों पदों को (घ) इनमें से कोई नहीं

8. 'अल्पबुद्धि' शब्द में कौन-सा समास है?
(क) बहुव्रीहि समास (ख) तत्पुरुष समास
(ग) द्वंद्व समास (घ) अव्ययीभाव समास

9. 'तुलसीकृत' का सही समास व समास विग्रह क्या होगा?
(क) तुलसी द्वारा रचित–तत्पुरुष समास
(ख) तुलसी के लिए रचित–तत्पुरुष समास
(ग) तुलसी की रचित–तत्पुरुष समास
(घ) तुलसी में रचित–तत्पुरुष समास

10. तीन फलों का समाहार का समस्तपद क्या होगा?
(क) त्रीफला (ख) त्रिफला
(ग) तिरफला (घ) त्ररिफला

11. 'पीताम्बर' समस्तपद का विग्रह होगा
(क) पीला अम्बर (ख) पीला है जो अम्बर
(ग) पीला और अम्बर (घ) अम्बर के लिए पीला

12. 'परलोक गमन' शब्द में कौन-सा समास है?
(क) द्वंद्व समास (ख) बहुव्रीहि समास
(ग) कर्मधारय समास (घ) तत्पुरुष समास

13. 'भुखमरा' शब्द के सही समास-विग्रह का चयन कीजिए।
(क) भूख से मरा हुआ–तत्पुरुष समास
(ख) भूख के लिए मरा–तत्पुरुष समास
(ग) भूखा मरा–तत्पुरुष समास
(घ) भूख ने मारा–तत्पुरुष समास

14. किस समास में दोनों पद प्रधान न होकर अन्य पद प्रधान होता है?
(क) अव्ययीभाव समास (ख) बहुव्रीहि समास
(ग) द्विगु समास (घ) कर्मधारय समास

15. 'वनगमन' समस्तपद का विग्रह होगा *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*
(क) वन का गमन (ख) वन से गमन
(ग) वन को गमन (घ) वन और गमन

16. 'पीत है जो अम्बर' का समस्तपद है *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*
(क) पितांबर (ख) पीतम्बर
(ग) पीताम्बर (घ) पीला अंबर

17. 'गुरुदक्षिणा' शब्द के सही समास-विग्रह का चयन कीजिए। *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*
(क) गुरु से दक्षिणा - तत्पुरुष समास
(ख) गुरु का दक्षिणा - तत्पुरुष समास
(ग) गुरु की दक्षिणा - तत्पुरुष समास
(घ) गुरु के लिए दक्षिणा - तत्पुरुष समास

18. 'दिनचर्या' समस्तपद का विग्रह है *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*
(क) दिन की चर्या (ख) दिन में आराम
(ग) दिन में चलना (घ) दिन भर खाना

19. 'महावीर' शब्द में कौन-सा समास है? *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*
(क) कर्मधारय (ख) द्विगु
(ग) तत्पुरुष (घ) अव्ययीभाव

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

20. 'कुसुमायुध' शब्द के सही समास-विग्रह का चयन कीजिए।
(क) कुसुम और आयुध–द्वंद्व समास
(ख) कुसुम है आयुध जिसका अर्थात् कामदेव–बहुव्रीहि समास
(ग) कुसुम के समान आयुध–कर्मधारय समास
(घ) कुसुम के लिए आयुध–तत्पुरुष समास

21. 'सत्याग्रह' शब्द में कौन-सा समास है?
(क) संप्रदान तत्पुरुष समास
(ख) अव्ययीभाव समास
(ग) द्विगु समास
(घ) द्वंद्व समास

22. 'महादेव' समस्तपद का विग्रह होगा
(क) महान् और देव (ख) महान् है जो देव
(ग) देव के लिए महान् (घ) देव रूपी महात्मा

23. 'शक्ति के अनुसार' का सामासिक पद क्या होगा?
(क) शक्तिशाली (ख) अशक्ति
(ग) बेशक्ति (घ) यथाशक्ति

24. 'लम्बोदर' शब्द के लिए सही समास-विग्रह का चयन कीजिए।
(क) लम्बा तथा उदर–द्वंद्व समास
(ख) लम्बा उदर है जो–कर्मधारय समास
(ग) लम्बा है उदर जिसका अर्थात् गणेश–बहुव्रीहि समास
(घ) लम्बाई के लिए उदर–तत्पुरुष समास

25. 'बेलगाम' समस्तपद का विग्रह होगा
(क) बिना लगाम के (ख) जिसके लगाम न हो
(ग) बे लगाम है जो (घ) लगाम के बिना

26. 'प्राणप्रिय' शब्द में कौन-सा समास है?
(क) द्वंद्व समास (ख) द्विगु समास
(ग) कर्मधारय समास (घ) बहुव्रीहि समास

27. 'भयभीत' शब्द के सही समास-विग्रह का चयन कीजिए।
(क) भय के कारण भीत–तत्पुरुष समास
(ख) भय और भीत–द्वंद्व समास
(ग) भय हेतु भीत–कर्मधारय समास
(घ) भय से भीत–तत्पुरुष समास

28. 'मनगढ़ंत' समस्त पद का विग्रह है
(क) मन से गढ़ा हुआ
(ख) मन के द्वारा गढ़ा हुआ
(ग) मन और गढ़ंत
(घ) मन है जिसका गढ़ा हुआ

29. 'दान के लिए पात्र' का समस्तपद है *(CBSE 2020, Modified)*
(क) दान का पात्र (ख) दानपात्र
(ग) दानीपात्र (घ) पात्रदान

30. किस समास का पूर्वपद विशेषण का कार्य करता है?
(क) बहुव्रीहि समास (ख) कर्मधारय समास
(ग) अव्ययीभाव समास (घ) तत्पुरुष समास

उत्तरमाला

1. (घ)	2. (ग)	3. (क)	4. (ग)	5. (ख)	6. (क)	7. (ख)	8. (क)	9. (क)	10. (ख)
11. (ख)	12. (घ)	13. (क)	14. (ख)	15. (ग)	16. (ग)	17. (घ)	18. (क)	19. (क)	20. (ख)
21. (क)	22. (ख)	23. (घ)	24. (ग)	25. (क)	26. (ग)	27. (घ)	28. (क)	29. (ख)	30. (ख)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in